

स्नातकोत्तर नगरीय नियोजन एवं विकास डिप्लोमा (PGDUPDL)

असाइनमेंट्स

(जुलाई 2026 एवं जनवरी 2027 सत्र)

विस्तार एवं विकास अध्ययन विद्यालय (School of Extension and Development Studies)

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU)

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय शिक्षार्थी,

प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको पाँच प्रश्नों वाला **एक असाइनमेंट** करना होगा। प्रत्येक असाइनमेंट **100 अंकों** का है तथा अंतिम मूल्यांकन में इसका **30% भारांक** होगा। आपके पंजीकरण के वर्ष अथवा सत्र की परवाह किए बिना, आपको विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध **नवीनतम असाइनमेंट** ही जमा करना होगा।

निर्देश

1. प्रत्येक असाइनमेंट के प्रथम पृष्ठ पर निम्नलिखित विवरण अवश्य लिखें:
 - नाम एवं पूर्ण पता:
 - नामांकन संख्या (Enrolment No.):
 - प्रवेश सत्र:
 - पाठ्यक्रम कोड:
 - पाठ्यक्रम शीर्षक:
 - क्षेत्रीय केंद्र:
 - अध्ययन केंद्र:
2. उत्तर लिखने के लिए A-4 आकार के सादे अथवा रूल्ड कागज़ का प्रयोग करें। कागज़ के दोनों ओर लिखें, उचित मार्जिन रखें तथा प्रत्येक पाठ्यक्रम के सभी पृष्ठों को सावधानीपूर्वक स्टेपल/बाँध दें।
3. प्रत्येक उत्तर के साथ संबंधित प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4. उत्तर अपने **स्वयं के हस्तलेखन** में लिखें। केवल हस्तलिखित असाइनमेंट का ही मूल्यांकन किया जाएगा।
5. **जुलाई 2026 सत्र** के लिए असाइनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि **31 मार्च 2027** तथा **जनवरी 2027 सत्र** के लिए **30 सितंबर 2027** है। (यदि तिथि में कोई विस्तार हो तो विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें।)
6. असाइनमेंट केवल निर्धारित अध्ययन केंद्र पर ही जमा करें। अंक ग्रेड कार्ड में प्रदर्शित होने तक असाइनमेंट की स्कैन की हुई प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।

दिशानिर्देश

1. योजना (Planning)

असाइनमेंट को ध्यानपूर्वक पढ़ें। संबंधित स्व-अध्ययन सामग्री तथा वेब संदर्भों का अध्ययन करें। प्रत्येक प्रश्न के लिए मुख्य बिंदु तैयार करें और उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें।

2. संगठन (Organization)

उत्तर को चयनात्मक एवं विश्लेषणात्मक बनाएं। प्रस्तावना (Introduction) और निष्कर्ष (Conclusion) पर विशेष ध्यान दें। प्रस्तावना में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या तथा उत्तर की रूपरेखा दें। निष्कर्ष में अपने उत्तर का सार प्रस्तुत करें।

3. सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर:

- (क) प्रत्येक प्रश्न के लिए लगभग **800 शब्दों** का हो।
- (ख) तार्किक, सुसंगत तथा वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध वाला हो।
- (ग) भाषा, अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुतीकरण की दृष्टि से शुद्ध एवं प्रभावी हो।

4. प्रस्तुतीकरण (Presentation)

जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तब अंतिम प्रति साफ-सुथरे ढंग से लिखें। जिन बिंदुओं पर विशेष बल देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित करें।

5. किसी भी शैक्षणिक सहायता अथवा स्पष्टीकरण के लिए संबंधित पाठ्यक्रम समन्वयक से संपर्क करें।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **20 अंक** का है।

1. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा प्रतिपादित मानव विकास (Human Development) की अवधारणा को परिभाषित कीजिए। आर्थिक वृद्धि एवं मानव विकास के मध्य द्विदिशात्मक (Bidirectional) संबंध का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि आय में वृद्धि किस प्रकार मानव क्षमताओं के विस्तार में परिवर्तित होती है।
2. विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में विद्यमान विभिन्न संरचनात्मक, आर्थिक एवं स्थानिक (Spatial) असमानताओं का वर्णन कीजिए। यह भी स्पष्ट कीजिए कि उच्च स्तर की असमानता किस प्रकार सतत आर्थिक विकास एवं सामाजिक एकता (Social Cohesion) में बाधा उत्पन्न करती है।
3. "स्वास्थ्य आर्थिक विकास का एक इनपुट भी है और उसका परिणाम भी।" इस कथन की व्याख्या कीजिए। भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में अवसंरचना, वित्तपोषण तथा समानता (Equity) से संबंधित प्रमुख प्रणालीगत चुनौतियों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
4. आर्थिक विकास एवं रोजगार सृजन के इंजन के रूप में विनिर्माण (Manufacturing) क्षेत्र की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए। नियामकीय अनुपालन (Regulatory Compliance), लॉजिस्टिक लागत तथा कौशल असंगति (Skill Mismatch) जैसी संरचनात्मक बाधाओं पर चर्चा कीजिए, जो भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता में अवरोध उत्पन्न करती हैं।
5. भारत में सामाजिक-आर्थिक हाशियाकरण (Socio-economic Marginalization) को बनाए रखने वाले ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक कारकों का परीक्षण कीजिए। वास्तविक समावेशी विकास प्राप्त करने के लिए आवश्यक संस्थागत, नीतिगत तथा सकारात्मक कार्रवाई (Affirmative Action) उपायों की एक समग्र रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।